Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MAS-301

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination March – 2021

एम.ए. संस्कृत साहित्य, सत्रार्द्ध : तृतीय
संस्कृत, प्रश्न–पत्र : प्रथम
काव्यशास्त्र का इतिहास

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीघ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. अलङ्कार सम्प्रदाय को लेकर एक विस्तृत निबन्ध लिखें।
2. आचार्य मम्मट द्वारा प्रस्तुत काव्य हेतु की व्याख्या करें।
3. 'नाट्यशास्त्र' पर एक निबन्ध लिखें।
4. 'काव्यालंकार' का विस्तृत परिचय उपस्थापित करें।
5. पं. राज जगन्नाथ कृत काव्य परिभाषा को विवेचित करें।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

1. प्रतिभा की परिभाषा एवं भेद बताये।
2. 'ध्वनि' की परिभाषा लिखें।
3. आचार्य मम्मट कृत काव्य परिभाषा की व्याख्या करें।
4. आचार्य विश्वनाथ के आधार पर रस परिभाषा स्पष्ट करें।
5. 'काव्य ग्राह्यमलंकारात्' की व्याख्या करें।
6. 'लोचन' कार का परिचय लिखें।
7. रसदोष से किन्हीं दो दोषों को सोदाहरण स्पष्ट करें।

----------X----------